वह हमारी ज़रूरतों को छुपाते नहीं और न ही हमारे दर्द को नज़रअंदाज़ करते हैं। बल्कि वह उन्हें पिता के सामने ले जाते हैं और हमारी ओर से विनती करते हैं। बाइबल कहती है:

“इसलिए वह उन लोगों को जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, पूरी रीति से उद्धार दे सकता है; क्योंकि वह उनके लिये बिनती करने को सदा जीवित है।”
— इब्रानियों 7:25

जब हम उसके नाम में प्रार्थना करते हैं, हमारी प्रार्थनाएँ सुनी जाती हैं — यह हमारी भलाई के कारण नहीं, बल्कि उसकी धार्मिकता और हमारे प्रति उसके गहरे प्रेम के कारण है। लेकिन कई बार हम अनावश्यक रूप से दुख उठाते हैं क्योंकि हम अपने बोझ प्रभु के पास नहीं ले जाते। हम कहते हैं कि हमने प्रार्थना की, लेकिन अक्सर हम अपने बल पर समस्या हल करने की कोशिश करते हैं या फिर बिना विश्वास के प्रार्थना करते हैं।

“तुम्हारे पास नहीं है, क्योंकि तुम माँगते नहीं हो। और जब माँगते हो, तब भी पाते नहीं, क्योंकि बुरी इच्छा से माँगते हो…”

— याकूब 4:2-3

जब तुम दुखी या उलझन में हो, हार मत मानो

क्या तुम कठिनाई, पीड़ा या उलझन से गुजर रहे हो? क्या शंकाएँ तुम्हें दबा रही हैं? निराश मत हो और न ही हार मानो। यीशु हर सच्ची प्रार्थना सुनते हैं। बाइबल हमें दिलासा देती है:

“यहोवा टूटे मन वालों के समीप रहता है; और पिसे हुओं का उद्धार करता है।”
— भजन संहिता 34:18

यीशु से बढ़कर कोई दयालु नहीं है। वह तुम्हारी कमज़ोरी को समझते हैं क्योंकि उन्होंने स्वयं मानवीय कष्ट सहा है।

“क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं, जो हमारी दुर्बलताओं में हमारे साथन कर सके; परन्तु वह सब बातों में हमारी नाईं परखा तो गया, तौभी बिना पाप के रहा।”

— इब्रानियों 4:15

इसीलिए हमें निमंत्रण है कि हम उसके पास निडर होकर आएँ:

“सो आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के पास हियाव बाँधकर चलें,
ताकि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह मिले जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे।”
— इब्रानियों 4:16

जब तुम कमज़ोर, अस्वीकार किए गए या अकेले महसूस करो

शायद तुम्हारी ताक़त अब जवाब दे चुकी है। तुमने सब कोशिश कर ली, लेकिन फिर भी हताश हो। शायद लोगों ने तुम्हें ठुकरा दिया हो या तुम्हारी हँसी उड़ाई हो। लेकिन यीशु कभी तुम्हें अस्वीकार नहीं करेंगे। वह थके-माँदे और बोझ से दबे लोगों को अपने पास बुलाते हैं:

“हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।”

— मत्ती 11:28

भले ही लोग हमें छोड़ दें या धोखा दें, लेकिन यीशु हमेशा विश्वासयोग्य रहते हैं। उन्होंने वादा किया है:

“मैं तुझे कभी न छोड़ूँगा और न कभी त्यागूँगा।”
— इब्रानियों 13:5

एक भजन के पीछे की गवाही

जोसेफ स्क्रिवेन, जिनका जन्म 1819 में आयरलैंड में हुआ, सम्पन्न परिवार से थे। ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें गहरा दुःख सहना पड़ा — उनकी मंगेतर की शादी से एक दिन पहले मृत्यु हो गई (1843)। इस टूटन ने उन्हें आयरलैंड छोड़कर 1845 में कनाडा जाने पर मजबूर किया।

1855 में, जब वह ओंटारियो में रह रहे थे, उन्हें पता चला कि उनकी माँ आयरलैंड में गंभीर रूप से बीमार हैं। उन्हें दिलासा देने के लिए उन्होंने एक कविता लिखी — “लगातार प्रार्थना करो।” बाद में चार्ल्स क्रोज़ैट कॉनवर्स ने उसे धुन दी और यह प्रसिद्ध

भजन बना: “यीशु में कैसा मित्र मिला है।”

जोसेफ का इरादा इसे प्रसिद्ध बनाने का नहीं था — यह तो बस अपनी बीमार माँ के लिए लिखा गया पत्र था। लेकिन परमेश्वर ने इसका उपयोग किया और यह पीढ़ियों और देशों तक लाखों दिलों को छू गया।

हम जोसेफ स्क्रिवेन से क्या सीखते हैं

यह घटना हमें एक सच्चाई सिखाती है:
परमेश्वर हमारे छोटे-से-छोटे प्रेम के कामों को भी महान आशीष में बदल सकते हैं।

यीशु ने यही कहा:

“मैं तुम से सच कहता हूँ, तुम ने जो कुछ मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में से किसी एक के साथ किया, वह मेरे ही साथ किया।”
— मत्ती 25:40

जब हम किसी एक ज़रूरतमंद की मदद करते हैं — चाहे प्रार्थना, मुलाक़ात, चिट्ठी या गीत से — परमेश्वर उसके असर को हमारी सोच

से कहीं आगे तक फैला सकते हैं। बाइबल कहती है:

“छोटी-छोटी बातों के दिन को तुच्छ न जानो, क्योंकि यहोवा
तराजू का पत्थर शून्यबल के हाथ में देखकर आनन्दित होता है।”
— जकर्याह 4:10

इसलिए अपने विश्वास में किए गए छोटे कामों को कभी तुच्छ मत समझो। परमेश्वर के हाथों में वे अनन्त आशीष के बीज बन जाते हैं।

अन्तिम प्रोत्साहन

आज तुम चाहे किसी भी परिस्थिति में हो, यह याद रखो:

यीशु तुम्हारे मित्र हैं।
वह तुम्हारे दुख को समझते हैं।
वह तुम्हारी प्रार्थना सुनते हैं।
और वह हमेशा तुम्हारे साथ चलते हैं।

यह भजन तुम्हें याद दिलाए कि यीशु केवल तुम्हारे उद्धारकर्ता ही नहीं, बल्कि तुम्हारे सबसे निकट मित्र भी हैं।

“इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं, कि कोई अपने मित्रों के लिये अपना प्राण दे।”
— यूहन्ना 15:13

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp